

## उत्तराखण्ड में मानव-वन्यजीव संघर्ष

### चर्चा में क्यों?

बढ़ते **मानव-वन्यजीव संघर्ष** और ग्रामीण क्षेत्रों में खराब कनेक्टिविटी के कारण **उत्तराखण्ड के नैनीताल एवं पौड़ी ज़िलों** में सुदूरवर्ती ग्रामवासियों को **प्रवासन** का सामना करना पड़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य ग्राफ में उतार-चढ़ाव हो रहा है।

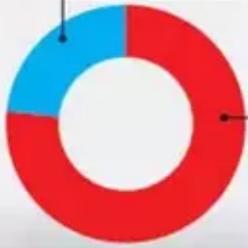
### मुख्य बटु:

- पछिले एक दशक में, उत्तराखण्ड में बड़े वन्य जीवों के कारण **264 लोगों की जान चली गई**, जनिमें से **203 मौतों के लिये तेंदुए** और **61 मौतों के लिये बाघ** जमिमेदार हैं।
- इन **वन्यजीव घटनाओं ने प्रभावति क्षेत्रों में बहुत बड़ा व्यवधान उत्पन्न कया है**, जिसके कारण स्कूल बंद हो गए हैं और सावलदेह, पटरानी, डेला एवं **पौड़ी** जैसे गाँवों में वरिध प्रदर्शन शुरु हो गए हैं।
- राज्य सरकार ने **देश के पहले मानव-वन्यजीव संघर्ष-शमन कक्ष** की स्थापना की, **प्रभावति परिवारों को मुआवज़ा** देने के लिये वशिष धन आवंटति कया और एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी कया। हालाँकि, स्थति अभी भी अस्थरि है।
- **वन्यजीव हमलों ने क्षेत्र में चुनावी घटनाओं को प्रभावति कया है**। वर्ष 2022 में टहिरी में, स्थानीय लोगों ने वधिानसभा चुनावों में भाग लेने से इनकार कर दया, जो कविर्ष 2014 के लोकसभा चुनावों के दौरान **पौड़ी** में की गई कार्रवाइयों को दर्शाता है।

## Deaths in big cat attacks in U'khand

**264**

Human lives lost in last 10 yrs



**61** Killed by tigers

**203** Killed by leopards

## Govt compensation increased from ₹4 lakh to ₹6 lakh for families of those killed in wildlife attacks

Govt compensation increased from ₹4 lakh to ₹6 lakh for families of those killed in wildlife attacks

UTTARAKHAND

Pauri Garhwal

Nainital

Corbett Nat'l Park

